सेल को व्यक्तिगत नेतृत्व वर्ग में 'स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड'

नई दिल्ली (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड की घोषणा मंगलवार को कर दी गई। जूरी की बैठक के बाद स्कोप के महानिदेशक यूडी चौबे ने अवार्ड विजेताओं के नाम की घोषणा की।

चौबे ने कहा कि वर्ष 2010-11 के लिए स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड

■ प्रधानमंत्री द्वारा दिया जाएगा विजेताओं को पुरस्कार

विजेताओं में सेल, वैपकोस, एनएसकेएफडीसी, एचपीसीएल, ओएनजीसी व गेल, गोवा शिपयार्ड, पेट्रोनेट एलएनजी, सीमेंट कॉर्पोरेशन और एसजेवीएन शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि महारत्न-नवरत्न कंपनियों में व्यक्तिगत नेतृत्व वर्ग में सेल के चेयरमैन सी.एस. वर्मा को स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड दिया जाएगा, जबकि मिनीरत्न1 और 2 वर्ग में वैपकोस के सीएमडी आरके गुप्ता को यह अवार्ड दिया जाएगा। व्यक्तिगत नेतृत्व वर्ग में (लाभ में चल रही अन्य पीएसयू) राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम के एमडी ललित कोहली को स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड प्रदान किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, सार्वजनिक कंपनियों में उल्लेखनीय महिला प्रबंधक वर्ग में एचपीसीएल की निदेशक निशि वासुदेव को, जबकि संस्थागत वर्ग (महारत्न व नवरत्न) में ओएनजीसी व गेल इंडिया को अवार्ड दिया जाएगा। चौबे ने कहा कि संस्थागत वर्ग2 (मिनीरत्न 1 व 2) में गोवा शिपयार्ड, जबकि संस्थागत वर्ग3 (लाभ में चल रही अन्य पीएसयू) में पेट्रोनेट एलएनजी को अवार्ड दिया जाएगा। विशेष संस्थागत वर्ग में सीमेंट कॉर्पोरेशन को स्कोप एक्सिलेंस अवार्ड मिलेगा। नई दिल्ली में जल्द ही आयोजित होने वाले एक समारोह में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा विजेताओं को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

SAIL, ONGC, GAIL among Scope awardees

PBD BUREAU

NEW DELHI, NOV 6

THE Standing Conference on Public Enterprises (Scope) on Tuesday announced the names of its prestigious Excellence awardees. SAIL Chairman CS Verma, ONGC, GAIL among others figure in the list of awardees from different categories.

The Scope Excellence Awards Jury under the chairmanship of Justice PN. Bhagwati, former Chief Justice of India met today and selected the winners of the Scope Excellence Awards 2010-11. Soon after the Jury meeting, UD Choubey director general, Scope and one of the jury members announced the names of the Award winners.

Individual Leadership Category (Maharatna/Navratna) went to CS Verma, chairman, SAIL whereas in this category for Miniratna RK Gupta, CMD, WAPCOS Ltd. emerged as winner.

In Individual Leadership Category (Other Profit Making PSEs), Lalit Kohli, MD, National Safai Karamcharis Finance & Development Corporation won the award.

Outstanding Women Manager in PSEs award went to Nishi Vasudeva, director, Hindustan Petroleum Corporation Ltd.

corporate

MHRIL buys 49 pc stake in IHGCL, it adds resort

RInfra profit inches up 6 pc in July-Sept

Clip Area = 81 cm²

Rashtriya Sahara Edition Delhi 07.11.2012 Page 12

स्कोप ने एक्सीलेंस अवार्ड का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड की घोषणा कर दी गई। जूरी की बैठक के बाद, स्कोप के महानिदेशक यूडी चौबे ने अवार्ड विजेताओं के नाम की घोषणा की।

चौबे ने कहा कि वर्ष 2010-11 के लिए स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड विजेताओं में सेल, वैपकोस, एनएसकेएफडीसी, एचपीसीएल, ओएनजीसी व गेल, गोवा शिपयार्ड, पेट्रोनेट एलएनजी, सीमेंट कारपोरेशन और एसजेवीएन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि महारत्न नवरत्न कंपनियों में व्यक्तिगत नेतृत्व वर्ग में सेल के चेयरमैन सी.एस. वर्मा को स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड दिया जाएगा, जबकि मिनीरत्न-1 और 2 वर्ग में वैपकोस के सीएमडी आरके गुप्ता को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

व्यक्तिगत नेतृत्व वर्ग में लाभ में चल रही अन्य पीएसयू राष्ट्रीय

▶ सेल के अध्यक्ष सीएस वर्मा को भी मिलेगा पुरस्कार

सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम के एमडी ललित कोहली को स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, सार्वजनिक कंपनियों में उल्लेखनीय महिला प्रबंधक वर्ग में एचपीसीएल की निदेशक निशि वासुदेव को, जबकि संस्थागत वर्ग (महारत्न व नवरत्न) में ओएनजीसी व गेल इंडिया को अवार्ड दिया जाएगा।

चौबे ने कहा कि संस्थागत वर्ग-2 (मिनीरत्न 1 व 2) में गोवा शिपयार्ड, जबकि संस्थागत वर्ग-3 (लाभ में चल रही अन्य पीएसयू) में पेट्रोनेट एलएनजी को अवार्ड दिया जाएगा। विशेष संस्थागत वर्ग में सीमेंट कारपोरेशन को स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड मिलेगा।

उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में जल्द ही आयोजित होने वाले एक समारोह में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा विजेताओं को स्कोप एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

Clip Area = 112 cm²

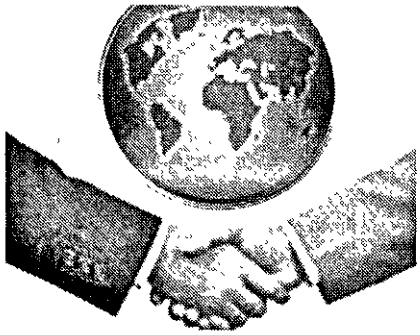

Business Bhaskar Edition Delhi 07.11.2012 Page 2

भेल ने किया शेल के साथ करार

नई दिल्ली • सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने ग्लोबल एनर्जी दिग्गज शेल के साथ गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेज की आपूर्ति के लिए करार करने की घोषणा की है। करार के तहत कंपनी शेल को एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप व अफ्रीका में कई स्थानों पर गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेज मुहैया कराएगी। यह करार पांच साल की अवधि के लिए किया गया है। हालांकि, कंपनी ने इस करार के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया है। भेल ने अपने बयान में कहा है कि यह करार 26 मेगावाट, 42 मेगावाट और 126 मेगावाट क्षमता के गैस टर्बाइन जेनरेटर के लिए किया गया है। करार में इन जेनरेटर की आपूर्ति के साथ ही इन्हें लगाने व चालू करने का भी प्रावधान है।

Clip Area = 69 cm²

Business Bhaskar Edition Delhi 07.11.2012 Page 5

शैल को गैस टरबाइन आपूर्ति करेगी भेल

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने शैल को गैस टरबाइन जनरेटर की आपूर्ति के लिए इंटरप्राइज फ्रेमवर्क एग्रीमेंट (ईएफए) किया है। इस समझौते के मुताबिक भेल शैल को एशिया-प्रशांत, मध्य पूर्व, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और अफ्रीका के लिए गैस टरबाइन जेनरेटर का पैकेज देगी। भेल द्वारा दिए जाने वाले इस पावर जेनरेशन एप्लीकेशन में सेवाओं की शुरुआत और इंस्टॉलेशन भी शामिल है। ईएफए के अंतर्गत आकजलरी से संबंधित गैस टरबाइन की मैन्युफैक्चरिंग भेल की हैदराबाद स्थिति इकाई में की जाएगी। कंपनी इसके कंट्रोल सिस्टम को बंगलुरू स्थित इकाई में मैन्युफैक्चर करेगी। इस प्रोजेक्ट से भेल को गैस टरबाइन जेनरेटर के कारोबार में पैर पसारने का मौका मिलेगा।

Clip Area = 36 cm²

Dainik Jagran Edition Delhi 07.11.2012 Page 12

भेल करेगी टरबाइन की आपूर्ति

जाब्यू, नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय कारोबार में इंजीनियरिंग कंपनी भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने फिर एक उपलब्धि हासिल की है। गैस टरबाइन जेनरेटर की सप्लाई के लिए कंपनी ने अमेरिकी ऊर्जा कंपनी शेल के साथ एक अनुबंध किया है। भेल अगले पांच साल तक शेल के एशिया प्रशांत; पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और अफ्रीका के विभिन्न केंद्रों को टरबाइन उपलब्ध कराएगी।

अर्थ जागरण

इस्लामिक बैंकिंग के लिए बदलेगा कानून

Clip Area = 24 cm²

Hindustan Times Edition Delhi 07.11.2012 Page 23

Oil firms on ratings edge over subsidy delay

Anupama Airy
■ anupama.airy@hindustantimes.com

NEW DELHI: Fearing a credit ratings downgrade on account of difficult cash flows, state-run oil companies are anxiously waiting for a comfort letter from the finance ministry on the release of fuel subsidy payments for the first six months of 2012-13, expected to total between ₹50,000 and ₹55,000 crore.

The petroleum ministry spoke up for Indian Oil (IOC), Bharat Petroleum (BP) and Hindustan Petroleum (HP), which sell diesel, cooking gas and kerosene at a loss, as the clock ticked away for their second quarter results, expected on Friday.

"I have had discussions with the finance ministry and the subsidy letter is in process," petroleum and natural gas minister Veerappa Moily said.

"I have been assured that the letter will be released in a day or two, before the second quarter results of these companies," he added.

The three oil companies—IOC, HPCL and BPCL — are currently losing ₹9.82 per litre on diesel, ₹33.93 a litre on kerosene and ₹468.50 per LPG cylinder. These figures will drag down their financial results.

The finance ministry has not released any subsidy support to the oil companies for the losses incurred by them on selling fuel below cost in this fiscal. Upstream companies Oil and Natural Gas Corporation, Oil India Ltd and GAIL Ltd share a part of the revenues which the oil retailers lose on selling diesel, LPG and kerosene at government-controlled rates.

In the first quarter of current year, upstream firms made good ₹15,061 crore out of the ₹47,811 crore retailers lose on sale of diesel, cooking gas and kerosene.

In the second quarter, the fuel retailers lost ₹42,200 crore in revenue. Of this, upstream contribution would be in the range of ₹14,000-15,000 crore and rest would have to come from the Finance Ministry.

State-owned fuel retailers are likely to end the fiscal with a revenue loss of over ₹1,63,000 crore. Of this, about ₹60,000 crore will come from upstream companies Oil and Natural Gas Corp (ONGC), Oil India Ltd and GAIL India.

PANIC IN THE AIR AS RESULTS LOOM

₹1.6 lakh cr Likely revenue loss of the oil PSUs in 2012-13

₹60,000 cr Share of upstream companies in this loss

- Oil PSUs are set to declare quarterly results on Friday
- Petroleum minister Veerappa Moily has asked the finance ministry to release subsidy payments

Clip Area = 148 cm²

शैल ने गैस टरबाइन का भारी आर्डर भेल को दिया

रमेश बमनिया/नई दिल्ली

बिजली के भारी उपकरण निर्माता एवं भारी संयंत्र स्थापित करने वाली महारत्न दर्जा प्राप्त सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) को कई देशों में गैस टरबाईन जनरेटर की सप्लाई करने के लिए शैल ने भेल को चुना है।

भेल प्रवक्ता से मिली जानकारी में कहा कि 5 साल तक का इंटरप्राइजेज फ्रेमवर्क एग्रीमेंट (ईएफए) प्रतिष्ठित कंपनी शैल ने भेल के साथ किया है जिसमें भेल गैस टरबाइन जनरेटर (जीटीजी) शैल के विभिन्न महत्वपूर्ण जगहों जैसे एशिया-पेसीफिक, मिडिल-ईस्ट, सेंट्रल एशिया, पूर्वी यूरोप तथा अफ्रीका जैसे देशों में करेगी। आर्डर के तहत कंपनी फ्रेम-5 (26 एमडब्ल्यू), फ्रेम-6बी (42 एमडब्ल्यू) तथा फ्रेम-9ई (126 एमडब्ल्यू) जीटीजी पेकेज मुहैया कराएगी तथा साथ ही स्थापन तथा कमीशन की भी जिम्मेदारी सारी भेल की ही होगी। भेल प्रवक्ता ने आगे बताया कि कंपनी की बेहतर साख और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए यह आर्डर शैल ने दिया है। विदित हो इंजीनियरिंग तथा उत्पादन को लेकर विद्युत पारेषण तथा उत्पादन क्षेत्र में भेल वर्तमान में 10 बिलियन यूएसडी डॉलर की कारोबारी कर रही है। साथ ही भेल ने वर्ष 1986 से गैस टरबाईन उत्पादन के क्षेत्र में भी अपने कदम रख दिए थे जो आज देश और विदेशों में करीब 200 यूनिट भेल द्वारा स्थापित किए जा चुके हैं। पूछने पर भेल प्रवक्ता ने बताया कि शैल को सप्लाई किए जाने वाले गैस टरबाईन तथा इससे संबंधित अन्य उपकरण, समझौते के तहत, भेल के हैदराबाद संयंत्र से उत्पादन और सप्लाई किए जाएंगे। इसके अलावा कंट्रोल सिस्टिम आदि का उत्पादन तथा सप्लाई भेल के ही बंगलोर संयंत्र से किए जाएंगे।

Clip Area = 104 cm²

Subsidy burden eats into Oil India Q2 net

Cess hike by Govt also dents profitability

Our Bureau

New Delhi, Nov. 6

Oil India Ltd has reported a 16 per cent drop in net profit for the second quarter of the current fiscal against the same quarter last year.

This was mainly due to the steep increase in subsidy outgo in the form of discounts to public sector oil marketing companies that hit the company's profitability.

The subsidy burden for the second quarter was up to Rs 2,078.17 crore (Rs 844.44 crore). For the first half of the current fiscal, the subsidy outgo has gone up by 55.94 per cent against the same period last year, the company said in a statement.

Higher subsidy has also resulted in lower net realisation from crude oil sales.

The company's net price realisation during the quarter stood at Rs 2,899,60/barrel (from Rs 3,949.44/barrel), despite an exchange rate of Rs 55.22 versus the dollar. It said that higher subsidy outgo coupled with the increase in cess to Rs 4,500 a tonne from Rs 2,500 a tonne by the Government had dented its profitability.

(in Rs cr)

SCORECARD

	Q2 FY 12-13	Q2 FY 11-12
Turnover	2519.37	3338.17
Net profit	954.57	1138.52
EPS (in Rs)	15.88	18.94

The cess hike has resulted in an additional burden of Rs 381 crore as statutory levies.

Further, there was an increase in paid-up share capital from Rs 240.45 crore to Rs 601.12 crore on account of allotment of bonus shares on April 2.

However, the company benefited from the exchange rate movement.

Exchange rate Rs/dollar has increased by 21 per cent from Rs 45.24 to Rs 54.66. This resulted in additional revenue of Rs 921 crore and Rs 98 crore in respect of crude oil and natural gas, respectively.

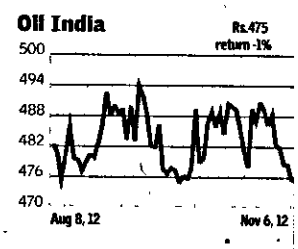

Oil India has started drilling its first well in Gabon. The well was spudded on October 28.

On the BSE, the company's share price closed up 0.09 per cent at Rs 475.65 on Tuesday.

richa.mishra@thehindu.co.in

More corporate reports on Pages 9, 16 and 17

R Infra hopes to shore up revenues with R Power orders

शेल को गैस टरबाइन की आपूर्ति करेगी भेल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भेल ने कहा कि उसने उर्जा क्षेत्र की प्रमुख वेश्विक कंपनी शेल के साथ गैस टरबाइन आपूर्ति के लिए पांच साल का समझोता किया है। बिजली उपकरण बनाने वाली भेल दुनियाभर में चुने स्थानों पर शेल को गैस टरबाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति करेगी। शेल के एशिया प्रशांत, पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप और अफ्रीका स्थित स्थलों पर यह आपूर्ति की जाएगी। दोनों कंपनियों के बीच पांच साल के आपूर्ति समझोते पर हस्ताक्षर हुए हैं। समझोते के तहत फ्रेम-5, फ्रेम-6बी और फ्रेम-9ई जीटीजी पैकेज दिया जाएगा।

Clip Area = 34 cm²